बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

मासिक प्रतिवेदन

अगस्त, 2022

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

विषय सूची		पेज नं.
(A)	मा. मंत्रियों को दी गई आपदा जोखिम न्यूनीकरण गतिविधियों की जानकारी	03
(B)	दिव्यांगजन संबंधी आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए मॉकड्रिल	05
(C)	जिला आपदा प्रबंधन योजनाओं को अंतिम रूप देने का कार्य प्रगति पर	07
(D)	तैराकी एवं जीवन रक्षा कौशल का प्रशिक्षण	10
(E)	एन.सी.सी. कैडेट सीख रहे सड़क सुरक्षा के गुर	11
(F)	आपदा जोखिम न्यूनीकरण विषय पर सामुदायिक स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण	13
(G)	वज्रपात से बचाव के लिए पटना में जागरुकता रथ रवाना	14
(H)	भूकम्प से सम्बंधित जन जागरूकता / संवेदीकरण/ प्रशिक्षण कार्यक्रम	15
(I)	अनुभवी राजमिस्त्रियों का प्रशिक्षण	16
(J)	इंटर्न का प्रशिक्षण कार्य संपन्न	17
(K)	अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम	18
(L)	मास मैसेजिंग	19
(M)	व्यय विवरणी	20

(A) माननीय मंत्रियों को दी गई आपदा जोखिम न्यूनीकरण गतिविधियों की जानकारी

आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का शिष्टमंडल माननीय आपदा प्रबंधन मंत्री से शिष्टाचार भेंट करते हुए।

बिहार सरकार के नवनियुक्त माननीय मंत्रियों को शिष्टाचार मुलाकात के दौरान आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए चलायी जा रही गतिविधियों की जानकारी दी गयी।

23 अगस्त, 2022 को आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के शिष्टमंडल ने माननीय मंत्री, आपदा प्रबंधन विभाग, श्री शाहनवाज से शिष्टाचार मुलाकात की। इस मुलाकात में माननीय उपाध्यक्ष डॉ. उदय कांत मिश्र, माननीय सदस्य श्री पी एन राय, आपदा प्रबंधन विभाग के विशेष सचिव श्री रामचंद्रुडु, प्राधिकरण के सचिव श्री मीनेंद्र कुमार, विभाग के ओएसडी श्री अविनाश कुमार शामिल थे। माननीय मंत्री को प्राधिकरण द्वारा चलायी जा रही गतिविधियों के बारे में बताया गया। राज्य भर में चल रहे भूकंपरोधी भवन निर्माण के लिए राजमिस्त्रियों के प्रशिक्षण, कम्युनिटी वॉलेंटियर के प्रशिक्षण, वज्रपात से बचाव के लिए चला रहे कार्यक्रम, भूकंप सुरक्षा क्लीनिक, सुरक्षित नौका परिचालन के लिए राज्य के छह हजार नाविकों के प्रशिक्षण, सड़क सुरक्षा के लिए चलाये जा रहे कार्यक्रम, बी.एस.टी.एन. पर उपलब्ध सामग्रियों के उपयोग और पौधरोपन के लिए अपनाई गई अकिरा मियावाकी पद्धति आदि की जानकारियां उन्हें दी गई।

इससे पूर्व 22 अगस्त, 2022 को माननीय उपाध्यक्ष डॉ. उदय कांत मिश्र, माननीय सदस्यद्वय श्री पी एन राय और मनीष कुमार वर्मा ने माननीय मंत्री, कृषि श्री सुधाकर सिंह से विकास भवन स्थित विभागीय कार्यालय में मुलाकात की और प्राधिकरण की ओर से चलाए जा रहे कौशल विकास व क्षमतावर्द्धन प्रशिक्षण

आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का शिष्टमंडल माननीय कृषि मंत्री से शिष्टाचार मुलाकात के दौरान।

कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्हें बताया गया कि राज्य में भूकंपरोधी भवन निर्माण के लिए राजमिस्त्रियों और अभियंताओं का प्रशिक्षण, भवनों की रेट्रोफिटिंग आदि कार्य किए जा रहे हैं। कम्युनिटी वॉलेंटियर व जीविका दीदियों का प्रशिक्षण, सड़क सुरक्षा, डूबने से होने वाली मृत्यु की रोकथाम के लिए सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम, मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम, अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम के तहत अब तक हुए 5709 अस्पतालों के निरीक्षण के साथ माननीय मंत्री के क्षेत्र में भूकंप सुरक्षा क्लीनिक की स्थापना से संबंधित जानकारी उन्हें दी गयी। माननीय मंत्री को आपदाओं से बचाव के लिए सेंडई, जापान में लिये गए वैश्विक निर्णय और देश में सबसे पहले बिहार सरकार द्वारा इसके लिए रोडमैप बनाने की जानकारी दी गई। रोडमैप में उल्लिखित कृषि विभाग की जिम्मेवारियों के बारे में उन्हें बताया गया। प्राधिकरण के बैनर तले दिव्यांग बच्चों और इनके शिक्षक/प्रशिक्षक के लिए तैयार किए जा रहे प्रशिक्षण मॉडयूल और मॉकड्रिल के बारे में विस्तार से मंत्री महोदय को जानकारी दी गई।

(B) दिव्यांगजन संबंधी आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए मॉकड्रिल का आयोजन

मॉकड्रिल में शामिल दिव्यांग छात्र–छात्राएं, शिक्षक व प्रशिक्षक।

राजधानी पटना के चार दिव्यांगजन संस्थानों में मॉकड्रिल कर छात्रों और शिक्षकों को आपदाओं से निपटने की जानकारी दी गयी। एसडीआरएफ और राज्य अग्निशमन सेवाएं द्वारा 18 अगस्त, 2022 को मूक–बधिर बालिका विद्यालय, गायघाट और मूक–बधिर बालक विद्यालय, महेंद्रु में आयोजित मॉकड्रिल में दोनों स्कूलों के 50 छात्र–छात्राओं समेत एक दर्जन से अधिक शिक्षक शामिल हुए। शिक्षकों और मूक–बधिर छात्र–छात्राओं को भूकंप, अगलगी, वज्रपात और सर्पदंश से सुरक्षा की जानकारी दी गयी। उन्हें मॉकड्रिल में शामिल कर इन आपदाओं से खुद को बचाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। राज्य में पहली बार दिव्यांगजनों के लिए आयोजित इस मॉकड्रिल में बचाव की जानकारी प्राप्त करनेवाले बच्चे ही नहीं शिक्षक भी हैरान थे कि इन विशेष बच्चों को भी आपदाओं से बचाव के लिए सरकार चिंतित है। भूकंप के दौरान कैसे अपने को सुरक्षित रखना है, इस मॉकड्रिल में शामिल बच्चे पूछताछ के क्रम में एसडीआरएफ के प्रशिक्षकों के सवालों को एक कदम आगे बढ़कर जवाब दे रहे थे। छात्रों और शिक्षकों ने एक स्वर में कहा कि आनेवाली किसी भी प्रकार की आपदा में अब सुरक्षित रहा जा सकता है। मॉकड्रिल में प्राधिकरण के सीनियर कंसल्टेंट श्री नीरज कुमार और परियोजना पदाधिकारी श्री प्रवीण कुमार ने अपने संबोधन में आपदा से निपटने में मॉकड्रिल की आवश्यकता की जानकारी दी।

इसी तरह 20 अगस्त को इंद्रपुरी, पटना स्थित जेएम इंस्टीच्यूट में मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। यहां मूक–बधिर के साथ–साथ मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों को आपदा से बचाव की जानकारी दी गयी। यहां 50 से अधिक दिव्यांग बच्चे और एक दर्जन शिक्षक–शिक्षिकाओं ने आपदा में बचाव की

मॉकड्रिल में शामिल अंतर्ज्योति दृष्टिहीन बालिका विद्यालय की छात्राओं के साथ शिक्षिकाएं।

जानकारी ली। मूक–बधिर बच्चों ने मॉकड्रिल में बचाव की जानकारी प्राप्त करने के बाद उसे दुहराकर प्रशिक्षकों को चकित कर दिया जबकि मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों पर इसका कम असर देखा गया।

पुनः 22 अगस्त, 2022 को कुम्हरार, पटना स्थित अंतर्ज्योति दृष्टिहीन बालिका विद्यालय में मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। इस मॉकड्रिल में 80 दृष्टिहीन बालिकाओं और श़िक्षक –शिक्षिकाओं की भागीदारी हुई। उन्हें भूकंप की जानकारी और इस दौरान बचाव के तरीके, वज्रपात की स्थिति में बचने के उपाय और अगलगी में क्या करें –क्या न करें की जानकारी दी गयी। सर्पदंश से बचने के उपायों और सांप काटने की स्थिति में क्या करना है, यह बताया गया। आपदाओं में घायलों की मदद करने और सुरक्षित जगहों तक उन्हें पहुंचाने की जानकारी भी दी गयी। मॉकड्रिल में सीनियर कंसल्टेंट श्री नीरज कुमार ने दृष्टिहीन बच्चियों को आपदाओं की पहचान करने और बचने की कई सरल जानकारी दी।

(C) जिला आपदा प्रबंधन योजनाओं को अंतिम रूप देने का कार्य प्रगति पर

राज्य के विभिन्न जिलों की आपदा प्रबंधन योजनाओं को प्राधिकरण के स्तर पर अंतिम रूप देने का कार्य प्रगति पर है। मुजफ्फरपुर जिला के जिला आपदा प्रबंधन योजना (डीडीएमपी) को लेकर पिछले माह जिलाधिकारी, उप विकास आयुक्त तथा विभिन्न संबंधित विभागों के साथ समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई थी। जिलाधिकारी ने निदेश दिया था कि आवश्यक परिवर्तन डीडीएमपी में करने के लिए एक और बैठक कर ली जाय तथा अगस्त 2022 तक डीडीएमपी को प्राधिकरण के अनुमोदनार्थ भेज दिया जाय। अभी तक जिला से डीडीएमपी अप्राप्त है और इसके लिये लगातार जिला को स्मरित किया जा रहा है। सीतामढ़ी जिला में डीडीएमपी में आवश्यक परिवर्तन हेतु वार्ता चल रही है और उन्हें सुझावों से अवगत कराया गया है। शिवहर और प चम्पारण जिलों के डीडीएमपी में आवश्यक संशोधन हेतु सुझाव तैयार कर लिये गये हैं और इन्हें जिलों को भेजा जा रहा है।

जिला आपदा प्रबंधन योजना (डीडीएमपी) को अंतिम रूप देने हेतु विभिन्न जिलों के संबंधित अधिकारियों के साथ बैठकों का आयोजन किया गया, जो इस प्रकार है :

क्रम सं0	दिनांक	जिला
1	25.08.2022	खगड़िया
2	29.08.2022	बेगूसराय
3	30.08.2022	बांका

उ

उपरोक्त आयोजित बैठकों में प्राधिकरण के द्वारा योजना को अद्यतन करने हेतु जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, खगड़िया, बेगूसराय एवं बांका जिलों के संबन्धित विभागों से विमर्श किया गया तथा जिले से अनुशंसा के पश्चात प्राधिकरण को शीघ्र भेजने का अनुरोध किया गया ।

इसी तरह पूर्वी बिहार व सीमांचल के विभिन्न जिलों की जिला आपदा प्रबंधन योजनाओं (डीडीएमपी) को आवश्यक संशोधन कर अंतिम रूप देने हेतु जिला पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारियों के साथ बैठकों का आयोजन किया गया, जो इस प्रकार है :

क्रम सं0	दिनांक	जिला
1	02 अगस्त 2022	अररिया
2	04 अगस्त 2022	पूर्णिया
3	18 अगस्त 2022	किशनगंज
4	29 अगस्त 2022	शेखपुरा एवं लखीसराय
5	30 अगस्त 2022	जमुई एवं मुंगेर

उपरोक्त आयोजित बैठकों में प्राधिकरण के द्वारा योजना को अद्यतन करने हेतु जिलों को उपलब्ध कराये गये सुझावों के विभिन्न बिन्दुओं को समायोजन पर चर्चा की गई। साथ ही जिला आपदा प्रबंधन योजना के महत्व एवं आवश्यकता के बारे में प्रस्तुतिकरण के माध्यम से जानकारी दी गयी। उपरोक्त जिलों की एजेंसी नॉलेज लिंक्स प्रा. लि. के द्वारा योजना प्रारूप के मुख्य अध्यायों पर बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों के बीच प्रस्तुतिकरण किया गया। जिला आपदा प्रबंधन योजना को अंतिम रूप देने के उपरांत जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के द्वारा अनुमोदित कर प्राधिकरण के स्तर से अनुमोदन हेतु इसे भेजा जाना है।

जिला आपदा प्रबंधन योजना (डीडीएमपी) सम्बन्ध में सम्बंधित जिलों (24 अगस्त – गोपालगंज, 25 अगस्त- सिवान तथा सारण, 29 अगस्त – जहानाबाद एवं लखीसराय , 30 अगस्त – जमुई) के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समन्वय कर इसे अद्यतन करने का कार्य किया गया है। जल्द ही इसे अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

जहानाबाद में जिला आपदा प्रबंधन योजना को अंतिम रूप देते प्राधिकरण व जिला प्रशासन के पदाधिकारी।

(D) बालक/बालिकाओं का समुदाय स्तर पर तैराकी एवं जीवन रक्षा कौशल का प्रशिक्षण

राज्य में डूबने से होने वाली मौतों की रोकथाम एवं उनमें कमी लाने के उद्देश्य से सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम के अंतर्गत गया जिले के फतेहपुर, वजीरगंज एवं टनकुप्पा प्रखण्डों में जिला प्रशासन द्वारा चिन्हित प्रशिक्षण स्थलों पर 06 से 18 आयु वर्ग के छात्र/छात्राओं (बालक/बालिकाओं) का प्रशिक्षण जुलाई माह, 2022 में संचालित किया गया। उक्त प्रशिक्षण का क्रियान्वयन संबंधित जिला प्रशासन द्वारा NINI, पटना में प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के सहयोग से सम्पन्न हुआ।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गया द्वारा उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र/छात्राओं, बालक/बालिकाओं का 12 दिवसीय तैराकी एवं जीवन रक्षा कौशल विकास के प्रशिक्षण को सम्पन्न करवाया गया। यह प्रशिक्षण गया जिले के चिन्हित प्रखंडों के अंतर्गत चयनित घाटों पर बनाए गए अस्थायी तरणताल में प्रदान किया गया।

जून माह तक पटना, वैशाली, खगड़िया एवं बेगूसराय जिलों कुल 958 छात्र/छात्राओं ने तैराकी एवं जीवन रक्षा कौशल विकास का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

अगस्त माह 2022 में समुदाय स्तर सम्पन्न हुए प्रशिक्षण का विवरण निम्नलिखित है :–

क्र0 सं0	जिला का नाम	प्रखण्ड	प्रशिक्षण की तिथि (अगस्त माह 2022)	बैचों की संख्या	सफलता पूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले बालकों/बालिकाओं एवं छात्रों, छात्राओं की संख्या (निम्नलिखित प्रखंडों के अंचलाधिकारियों/ मास्टर ट्रेनर्स से दूरभाष से प्राप्त सूचना के अनुसार)
01	गया	फतेहपुर	18.08.2022 से 29.08.2022 (30 बालकों) दो बैच (6–8 AM ,8–10 AM) 05 मास्टर ट्रेनर्स	02	30
02	गया	टनकुप्पा	01.08.2022 से 12.08.2022 (7–9 AM) 10 मास्टर	02	54

			ट्रेनर्स		
				कुल	**84**

अगस्त माह 2022 गया जिले के फतेहपुर प्रखण्ड में कुल **30** बालकों को तैराकी एवं जीवन रक्षा कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रकार अभी तक कुल 1138 + 84 = 1222 बालक/बालिकाओं को तैराकी एवं जीवन रक्षा कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।

(E) एन.सी.सी. कैडेट सीख रहे सड़क सुरक्षा के गुर, शिविरों में "सड़क सुरक्षा के उपायों, प्राथमिक उपचार एवं आपदाओं के बारे में जागरूकता/संवेदीकरण एवं मॉकड्रिल"

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा एन0सी0सी0 उड़ान, एस0डी0आर0एफ0 एवं AIIMS, पटना के सहयोग से एन0सी0सी0 के कैडेट्स का राज्य के विभिन्न जिलों में आयोजित किए गए शिविर में **सड़क सुरक्षा के उपायों, प्राथमिक उपचार एवं अन्य प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदाओं के बारे में जागरूकता/संवेदीकरण एवं मॉकड्रिल** कार्यक्रम सम्पन्न हुआ ।

इसके अन्तर्गत सड़क सुरक्षा जागरूकता एवं प्रचार–प्रसार हेतु सड़क दुर्घटनाओं संबंधी विडियो क्लिप्स (क्या करें, क्या नहीं करें) का प्रदर्शन, अस्पताल पूर्व चिकित्सा विषय पर प्रशिक्षण तथा एस0डी0आर0एफ0 के द्वारा विभिन्न आपदाओं से बचाव के संबंध में मॉकड्रिल कराया गया ।

यह कार्यक्रम अगस्त माह 2022 में निम्नलिखित शिविरों में भाग लेने वाले कैडेट्स के बीच संचालित किया गया :–

क्र0 सं0	दिनांक	शिविर स्थल	प्रतिभागियों की संख्या
01	02.08.2022	एन0सी0सी0 ग्रुप मुख्यालय,पटना।	380
02	06.08.2022	ओ०टी०सी बरौनी।	400
03	12.08.2022	एन0सी0सी0 ग्रुप मुख्यालय,पटना।	300
04	14.08.2022	ओ०टी०सी बरौनी।	400
05	19.08.2022	राधे सांता कॉलेज, तिलहोतु।	430
06	27.08.2022	निगमा मोनास्ट्री, बोध गया।	412
07	28.08.2022	आर० बी० कॉलेज, दलसिंगसराय ।	500
08	30.08.2022	ओ०टी०सी बरौनी।	380
		कुल	**3202**

(F) बहु–आपदा जोखिम न्यूनीकरण विषय पर सामुदायिक स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण

हमारा बिहार बहु–आपदा प्रवण राज्य है। फलतः हमारे गाँव, पंचायतों, प्रखण्ड एवं जिलों में विभिन्न तरह की आपदाएँ आती रहती हैं। पंचायतों में कुछ नौजवान आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन हेतु जरूरी ज्ञान और हुनर सीख लें तो वे अपने गाँव, पंचायत, प्रखंड एवं जिले को आपदाओं से सुरक्षित रख सकते हैं। इस उद्देश्य हेतु प्रशिक्षण के माध्यम से बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण राज्य के नौजवानों/नवयुवतियों को प्रशिक्षित कर आपदाओ के प्रत्युत्तर हेतु तैयार कर रहा है ताकि आपदाओं से सुरक्षा प्रदान करने में वे अपने समुदाय के मददगार हो सकें। इस उद्देश्य से पटना जिले के राजेंद्र नगर एवं कंकड़बाग क्षेत्र में कार्यरत युगान्तर संस्था के आपदा जोखिम न्यूनीकरण से जुडे टास्क फोर्स की युवा वॉलंटियरों का तीन दिवसीय प्राशिक्षण दिनांक 24/08/2022 से 26/08/2022 को संपन्न हुआ। प्रथम बैच में कुल 30 नवयुवतियों को विभिन्न आपदाओं से बचाव व रोकथाम के उपायों के संदर्भ में प्रशिक्षित किया गया है।

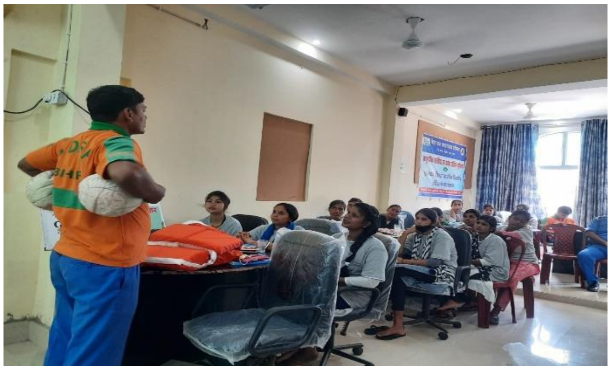

(G) वज्रपात से बचाव के लिए पटना में जागरुकता रथ रवाना

वज्रपात की घटना होने पर जान–माल की व्यापक क्षति होती है। अतः इन घटनाओं की रोकथाम हेतु वज्रपात/ठनका से बचाव एवं रोकथाम संबंधी जिला पटना के साथ कार्ययोजना संबंधी क्रियान्वयन हेतु दिनांक 11.08.2022 को वज्रपात सुरक्षा रथ को रवाना किया गया। रथ पटना जिले की विभिन्न संवेदनशील पंचयतों में भ्रमण कर जन समुदाय को जागरुक करने का काम करेगा। इसके साथ –साथ पंचायतों में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से वज्रपात से बचाव व रोकथाम के उपायों की जानकारी भी दी जा रही है। अपर समहर्ता महोदय के अनुसार पटना जिले में आइ.ई.सी. वितरण एवं फ्लैक्स/पोस्टर आदि के माध्यम से पंचायतों में लोगों को बचाव व रोकथाम सबंधी जागरुक किया जा रहा है।

(H) भूकम्प से सम्बंधित जन जागरूकता / संवेदीकरण/ प्रशिक्षण कार्यक्रम

- भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी द्वरा पूर्वी चम्पारण में आयोजित भूकम्प से सम्बंधित जन जागरूकता / संवेदीकरण/ प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया |

फोटो :- भूकम्प से सम्बंधित जन जागरूकता / संवेदीकरण/ प्रशिक्षण कार्यक्रम, सौजन्य: भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी(पूर्वी चम्पारण)

भूकंप के लिहाज से पूर्वी चंपारण जिला काफी संवेदनशील माना जाता है। भूकंप से बचाव और सुरक्षा के साथ–साथ भवनों के निर्माण में भूकंपरोधी तकनीक के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण लगातार प्रयत्नशील है। 26 अगस्त को मोतिहारी में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से जागरूकता का एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया। विभिन्न संस्थाओं के लगभग 400 प्रतिनिधियों ने इसमें हिस्सा लिया। इस जागरूकता कार्यशाला का उद्घाटन जिलाधिकारी शीर्षत कपिल अशोक ने किया। कार्यशाला में प्राधिकरण की ओर से सलाहकार (तकनीक) डॉ बीके सहाय और परियोजना पदाधिकारी प्रवीण कुमार ने अपने विचार रखे। प्रशिक्षण शिविर का संचालन महेश प्रसाद सिन्हा ने किया।

भूकम्प सुरक्षा क्लीनिक सह परामर्श केन्द्र

राजकीय पॉलिटेक्निक, दरभंगा में निर्माणाधीन भूकम्प सुरक्षा क्लीनिक सह परामर्श केन्द्र के निर्माण से सम्बन्धित कार्य का अनुश्रवण किया गया। सितम्बर 2022 में निर्माण कार्य पूरा होने की जानकारी प्राप्त हुई है। राज्य के अन्य तकनीकी संस्थानों में भूकम्प सुरक्षा क्लीनिक सह परामर्श केन्द्र स्थापना हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के साथ समन्वय किया गया है।

(I) अनुभवी राजमिस्त्रियों का प्रशिक्षण

(A). अनुभवी राजमिस्त्रियों के प्रशिक्षण के प्रस्तावित कार्यक्रम के संबंध में एनएसडीसी से समन्वय का कार्य लगातार किया जा रहा है। एनएसडीसी द्वारा सूचित किया गया है कि उनके द्वारा विस्तृत प्रस्ताव समर्पित करने में अभी कम–से कम दो माह का समय और लग सकता है। एनएसडीसी द्वारा तब तक पूर्व की तरह ही अनुभवी राजमिस्त्रियों का प्रशिक्षण चलाते रहने का उल्लेख अपने ईमेल में किया गया है। राजमिस्त्रियों के प्रशिक्षण हेतु मार्गदर्शिका में यथा निदेशित आवश्यक संशोधन किये गये।

(B). एनआइटी, रायपुर के द्वारा शेक टेबुल का निर्माण कार्य प्रगति पर है। वहां के प्रो० गोवर्द्धन भट्ट से लगातार सम्पर्क एवं समन्वय किया जा रहा है। एनआइटी, रायपुर द्वारा शेष राशि विमुक्त करने हेतु अनुरोध किया गया है जिसके आलोक में अग्रेतर कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

(C). भूकंप से बचाव के लिए शोध कार्य

- आइआइटी, पटना के साथ रैपिड विजुअल स्क्रीनिंग मार्गदर्शिका (RVS guidelines) तैयार करने हेतु पायलट प्रोजेक्ट के आधार पर (आरवीएस) प्रतिवेदन की समीक्षा एवं उनके द्वारा प्रस्तुतिकरण किये गए। अक्टूबर माह तक मार्गदर्शिका उपलब्ध होने की सम्भावना है। इससे इमारतों की संरचनात्मक सुरक्षा का त्वरित मूल्यांकन सुनिश्चित हो सकेगा। भूकंप से होनेवाले जोखिम को कम करने की दिशा में इससे मदद मिलेगी।

(D). BSTN (Bihar Seismic Telemetry Network)

- BSTN के अंतर्गत field stations के भवनों के कार्य प्रगति के संबंध में भवन निर्माण निगम के साथ लगातार समन्वय बनाते हुए अग्रतर कार्य किये जा रहे हैं। इस संबंध में बिहार मौसम सेवा केन्द्र के वैज्ञानिकों से सहयोग लिया जा रहा है।

(E). Flood Forecasting model for Kosi area

- IISC Bangalore के साथ BSDMA का MoU प्रस्तावित है। MoU के माध्यम से कोशी क्षेत्र के लिए flood forecasting का नया मॉडल विकसित किया जाना है।

(F). फोटोग्रामेट्री तकनीक

- एन.आई.टी. के प्रो. ए.के. सिन्हा से फोटोग्रामेट्री तकनीक का उपयोग भवनों के आर.भी.एस कार्य में करने के सम्बन्ध में उनके प्रस्ताव पर उनके साथ बैठक की गई। उनके द्वारा कान्सेत नोट शीघ्र प्राधिकरण को भेजने की बात कही गई।

(J) इंटर्न का प्रशिक्षण कार्य संपन्न

(A). स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, नई दिल्ली से प्राप्त अनुरोध पत्र के आधार पर उनके दो विद्यार्थियों को इंटर्न के तौर पर बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण में छह सप्ताह का इंटर्नशिप कार्यक्रम संपन्न हुआ। दोनों इंटर्न ने प्राधिकरण में रैपिड विजुअल स्क्रीनिंग (आरवीएस) कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राकृतिक आपदा संभाग में कार्य करते हुए सफलतापूर्वक अपना प्रशिक्षण पूरा किया। तदुपरांत उनके द्वारा एक प्रजेंटेशन दिया गया जो सराहनीय रहा।

इसी तरह झारखण्ड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय, रांची के छह इंटर्न को आपदा प्रबंधन के विभिन्न आयामों की जानकारी दी गई। इंटर्नशिप के दौरान इन्हें विभिन्न आपदाओं के बाबत प्रशिक्षित किया गया। डूबने से होनेवाली मौतों की रोकथाम के लिए इन्होंने एक अध्ययन रिपोर्ट तैयार कर प्राधिकरण को सौंपा। इनका पावर प्वायंट प्रजेंटेशन सराहा गया।

(B). आईआईटी, पटना के साथ तकनीकी साझेदारी हेतु दिनांक 25.07.2022 को एक बैठक की गयी जिसमें श्री प्रो0 राजीव मिश्रा, कम्प्यूटर सांईस विभाग के साथ विस्तृत वार्ता हुई प्राधिकरण के आपदा प्रबंधन के विभिन्न कार्यक्रमों को आईआईटी, पटना के सहयोग से और भी बेहतर बनाया जा सकता है। इस सम्बन्ध में एक डीपीआर का निर्माण प्राधिकरण के स्तर पर किया जा रहा है।

(K) अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम

'अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम' के तहत '16 बिंदु अग्नि प्रवणता सूचकांक' के आधार पर अगस्त माह में राज्य के कुल 201 अस्पतालों का निरीक्षण किया गया जिसमें 6 सरकारी एवं 195 निजी अस्पताल शामिल हैं। इन अस्पतालों का निरीक्षण प्राधिकरण के दिशा निर्देश में अग्निशाम सेवाएं के अधिकारियों द्वारा किया गया, जिसका विवरण निम्नवत है:–

माह अगस्त 2022 में अस्पतालों/नर्सिंग होमस् के भवनों में फायर ऑडिट का ऑकड़ा।

क्र0स0	जिला का नाम	कोविड अस्पताल			नन कोविड अस्पताल		
		सरकारी	निजी अस्पताल	कुल	सरकारी	निजी अस्पताल	कुल
1	पटना	0	0	0	0	08	8
2	नालंदा	0	0	0	0	8	8
3	रोहतास	0	0	0	0	0	0
4	भभुआ	0	0	0	0	0	0
5	भोजपुर	0	0	0	0	9	9
6	बक्सर	0	0	0	0	3	3
7	गया	0	0	0	1	1	2
8	जहानाबाद	1	0	1	0	5	5
9	अरवल	0	0	0	0	12	12
10	नवादा	0	0	0	0	7	7
11	औरंगाबाद	0	0	0	0	1	1
12	छपरा	0	0	0	0	0	0
13	सिवान	0	0	0	0	35	35
14	गोपालगंज	0	0	0	1	22	23
15	मुजफ्फरपुर	0	1	1	0	0	0
16	सीतामढ़ी	0	0	0	0	0	0
17	शिवहर	0	0	0	0	9	9
18	बेतिया	0	0	0	1	0	1
19	बगहा	0	0	0	0	0	0
20	मोतिहारी	0	0	0	0	0	0
21	वैशाली	0	0	0	0	0	0
22	दरभंगा	0	0	0	0	2	0
23	मधुबनी	0	0	0	0	0	0
24	समस्तीपुर	0	0	0	0	6	6
25	सहरसा	0	0	0	0	8	8
26	सुपौल	0	0	0	0	23	23
27	मधेपुरा	0	0	0	0	17	17
28	पूर्णिया	0	1	1	0	8	8
29	अररिया	0	0	0	0	3	3
30	किशनगंज	0	0	0	0	0	0
31	कटिहार	0	0	0	0	0	0
32	भागलपुर	0	0	0	0	0	0
33	नवगछिया	0	0	0	0	0	0
34	बाँका	0	0	0	0	4	4
35	मुंगेर	0	0	0	0	0	0
36	लखीसराय	0	0	0	0	2	2
37	शेखपुरा	0	0	0	1	0	1
38	जमुई	0	0	0	1	0	1
39	खगड़िया	0	0	0	0	0	0
40	बेगुसराय	0	0	0	0	0	0
	कुल योग	1	2	3	5	193	196

इस प्रकार राज्य के अब तक कुल 5,610 अस्पतालों का अग्नि प्रवणता सूचकांक के आधार पर निरीक्षण किया जा चुका है।

बिहार म्यूजियम में फायर सेफ्टी मॉक ड्रिल

बिहार समृद्ध ऐतिहासिक धरोहरों की धरती है। राजधानी पटना स्थित बिहार म्यूजियम में संरक्षित अनूठी कलाकृतियां और विलक्षण पुरातात्विक अवशेष इसके गवाह हैं। इस म्यूजियम को आपदाओं से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से 26–08–2022 को यहां फायर सेफ्टी मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के बैनर तले बिहार अग्निशमन सेवा के विशेषज्ञों ने संग्रहालय के अधिकारियों, कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों को आग से बचाव की जानकारी दी। अग्निशमन सेवा के विशेषज्ञ पूरे म्यूजियम की 16 बिंदुओं पर फायर सेफ्टी ऑडिट भी करेंगे। इसमें एक–एक चीज की सूक्ष्मता और गहनता से जांच की जाएगी। संग्रहालय को आग से अभेद्य बनाने में यह सहायक साबित होगा। इस मौके पर बिहार संग्रहालय के महानिदेशक राज्य के पूर्व मुख्य सचिव अंजनी कुमार सिंह, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ. उदय कांत मिश्र, सदस्यद्वय श्री पीएन राय और मनीष कुमार वर्मा, बिहार अग्निशमन सेवा के डीआईजी श्री विकास कुमार और एसपी श्री राजीव रंजन भी मौजूद थे।

(L) मास मैसेजिंग

बिहार एक बहुआपदा प्रवण राज्य है, जहां लगभग सभी तरह की प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाएं घटित होती रहती हैं। यह राज्य जहां एक ओर लगभग हर वर्ष बाढ़ के प्रकोप को झेलता है, वहीं दूसरी ओर सुखाड़, अग्निकांड, शीतलहर लू, वज्रपात आदि आपदाओं से राज्य का एक बड़ा भू–भाग प्रभावित होता है। भूकंप की दृष्टि से भी बिहार अत्यन्त संवेदनशील राज्य है। प्राकृतिक आपदाओं को हम पूरी तरह रोक तो नहीं सकते, परंतु बेहतर आपदा प्रबंधन एवं इसके सुदृढ़ीकरण से नुकसान को कम कर सकते हैं। इसके लिए आमलोगों को आपदा के खतरों से अवगत कराना जरूरी है। इसलिए आपदाओं में 'क्या करें क्या न करें' की जानकारी एसएमएस के माध्यम से लोगों को दी जाती है।

प्राधिकरण में उपलब्ध विभिन्न मोबाइल नंबर जैसे जिला पदाधिकारी DM (38), ADM (38), BDO (534), CO (534), साथ ही साथ प्रशिक्षित फोकल टीचर (1542), नाव एवं नाव मालिक (3820), पंचायत जनप्रतिनिधि (**चयनित–207429**, गैर चयनित–**435699**), जीविका दीदी– **(148890),** आशा कार्यकर्ता **(77542),** आगनबाड़ी सेविका **(45946)** एवं प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षित अभियंताओं एवं राजमिस्त्रियों समेत अन्य **लगभग 36 लाख नंबर** पर सामूहिक संदेश संप्रेषण (मैसेजिंग) नियमित रूप से किये जाते हैं। **जुलाई,** 2022 में कुल **5406588** मास मैसेजिंग किया गया, जिसमें जीविका दीदी, आशा, जिला परिषद्, सी0ओ0, डी0एम0 और आपदा प्रबंधन विभाग के कर्मियों, प्रशिक्षित मुखिया, सरपच एवं आई0सी0डी0एस0, जिला परिषद एवं विकास मित्र के लाभार्थी शामिल हैं।

(M) व्यय विवरणी

माह अगस्त, 2022 में प्राधिकरण में हुए व्यय का विवरण :

क्रमांक	**परियोजना का नाम/मद**	**राशि**
1.	राजमिस्त्रियों/अभियंताओं का प्रशिक्षण	रु.6998.00
2.	सुरक्षित तैराकी प्रशिक्षण	रु.443583.00
3.	सड़क सुरक्षा जागरुकता	रु.15135.00
4.	हीट वेव	रु.17865.00
5.	बाढ़/सूखा	रु.7663.00
6.	जन जागरुकता	रु.79800.00
7.	वीडीएमपी	रु.1000.00
8.	डीडीएमपी	रु.9021.00
9.	अग्नि सुरक्षा	रु.58120.00
10.	भूकंप/ अग्नि सुरक्षा मॉकड्रिल	रु.3988.00
11.	यात्रा भत्ता	रु.57636.00
12.	प्रोफेशनल्स का पारिश्रमिक/मानदेय	रु.996510.00
13.	सरकारी सेवक का वेतन	रु.1833600.00
	कुल योग	**रु.3530919.00**